वर्द्धमान News

Digital Edition ★ शिक्षा ★ सेवा ★ समाज ★ धर्म ★ संस्कृति...का उजियारा

वर्ष 01 अंक 51 (विशेषांक) | ब्यावर, 5 मार्च 2026, गुरुवार | Email: vardhmannewsbwr@gmail.com | पृष्ठ: 2 | मूल्य: नि:शुल्क



ब्यावर के ऐतिहासिक 175वें बादशाह मेले में बादशाह बने श्री चंद्रशेखर जी अग्रवाल के आकस्मिक देवलोकगमन पर सजल, सादर भावमय श्रद्धासुमन...

- भावांजलि -

श्री वर्द्धमान शिक्षण समिति ब्यावर

अध्यक्ष : सुनील खेतपालिया, मंत्री : डॉ नरेन्द्र पारख, कोषाध्यक्ष : देवराज लोढ़ा

समस्त पदाधिकारी, प्रबंधकारिणी एवं समस्त सदस्यगण

जनसंपर्क एवं मल्टीमीडिया प्रभारी : एस. एन. अग्रवाल(बबलू)



शाही अंदाज में निकली 'बादशाह' की अंतिम यात्रा

अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त ब्यावर के ऐतिहासिक 175वे बादशाह मेले में इस वर्ष 'बादशाह' की गादी पर आसीन होने वाले श्री चंद्रप्रकाश अग्रवाल(चन्दुजी) का हृदयाघात से आकस्मिक निधन हो गया। ये खबर फैलते ही संपूर्ण ब्यावर में शोक की लहर छा गई। आज गुरुवार को सुबह उनके आवास सरावगी मोहल्ला, घीया गली से उनकी अंतिम यात्रा शाही अंदाज में निकाली गई।

जिला प्रशासन की तरफ से उनके पार्थिव देह पर पुष्प चक्र चढ़ा कर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस दौरान जिला कलेक्टर कमल राम मीणा, जिला पुलिस अधीक्षक रतन सिंह, सहायक पुलिस अधीक्षक राजेश कसाना, उपखंड अधिकारी दिव्यांश सिंह, तहसीलदार हनुत सिंह शामिल हुए। बादशाह चंदूजी की अंतिम यात्रा शाही अंदाज में ही निकाली गई। उनकी पार्थिव देह को खुले ट्रैक्टर में शाही तरीके से सजा कर लिटाया गया। उनकी सवारी के आगे बैंड अपनी धार्मिक एवं देशभक्ति की धुन बजाता हुआ चला, ढोल एवं झांझ की ध्वनि के साथ बीरबल का किरदार निभाने वाले मुकेश उपाध्याय ने सजल नेत्रों से भावमय नृत्य की प्रस्तुति देकर अपने बादशाह को अंतिम विदाई दी



VARDHMAN MULTIMEDIA
वर्द्धमान News
Digital Edition
■ शिक्षा ■ सेवा
■ समाज ■ धर्म
■ संस्कृति का उजियारा
ब्यावर
5 मार्च 2026, गुरुवार
पेज 2





पिता रामगोपालजी बर्फ वाले गुलाल रूपी खर्ची लुटाते हुए..

धर्मपत्नी ने गुलाल लगाकर दी अंतिम विदाई...



रोशन बादशाह ने नम आँखों से दी विदाई ..

हर आंख नम, हर जन गमगीन...

बादशाह चंद्रशेखर अग्रवाल की अंतिम यात्रा उनके आवास घीया गली से प्रारंभ हुई जो सरावगी मोहल्ला, डिग्गी मोहल्ला, भगत चौराहा होते हुए सुभाष सर्किल, अजमेरी गेट, महादेवजी की छतरी, भारत माता सर्किल, तेजा चौक, सूरजपोल गेट बाहर होकर विजयनगर रोड़ स्थित हिंदू सेवा मंडल मुक्ति धाम पंहुची। संपूर्ण मार्ग में आमजन की आंख नम रही एवं अनेक स्थान पर उनकी पार्थिव देह पर पुष्पचक्र, पुष्पहार, दुशाला चढ़ाकर भावभीनी विदाई दी।

जिला प्रशासन द्वारा भावमय श्रृंद्धाजलि ...





"बीरबल" मुकेश उपाध्याय ने दी भावभीनी विदाई ...



महादेवजी की शरणागति हुए बादशाह चंद्रशेखर

श्री चंद्रशेखर अग्रवाल महादेवजी के परम भक्त थे। प्राप्त जानकारी के अनुसार वर्ष 1996 में महादेवजी की छतरी कावड़ यात्रा की शुरुआत करने वालों में से ये भी प्रमुख थे। उन्होंने अनेक बार पुष्कर सरोवर से कावड़ में जलभर कर ब्यावर तक पैदल कावड़ यात्रा की एवं महादेवजी की छतरी भोलेनाथ का जलाभिषेक किया। ये भी अद्भुत संयोग रहा कि 4 मार्च 2026 को 175वें ऐतिहासिक बादशाह मेले में बादशाह की सवारी महादेवजी की छतरी के कुछ आगे ही पंहुची होगी कि बादशाह की गादी पर बैठे चंद्रशेखरजी को अचानक हृदयाघात हुआ। उन्हें उपचार के लिए हॉस्पिटल भी ले जाया गया लेकिन नियति को यह मंजूर नहीं हुआ और उन्होंने इस नश्वर शरीर महादेवजी की छतरी के समक्ष ही छोड़ दिया। गुरुवार को उनकी अंतिम यात्रा जब महादेवजी की छतरी पंहुची तो मंदिर के पुजारी विजय जी दाधीच एवं अन्य शिवभक्तों ने पुष्प वृष्टि करके एवं महादेव के जयकारों के साथ उन्हें भावमय विदाई दी।

